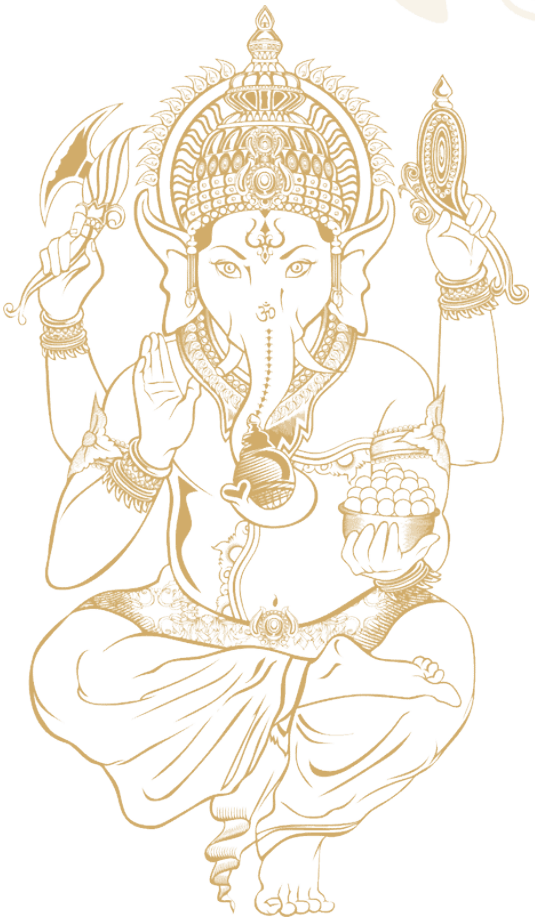

Ashutosh Manshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121000906

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/11/1996	जन्म तिथि	9-10/08/1999
बुधवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 13:20:00	जन्म समय	03:05:00 घंटे
घटी 16:24:55	जन्म समय(घटी)	53:13:20 घटी
India	देश	India
Safidaun	स्थान	Saharanpur
29:25:00 उत्तर	अक्षांश	29:58:00 उत्तर
76:40:00 पूर्व	रेखांश	77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:20	स्थानिक संस्कार	-00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:46:01	सूर्योदय	05:43:15
17:29:42	सूर्यास्त	19:06:56
23:48:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:54

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 6वर्ष 3मा 26दि		03:48:53	कुंभ	लग्न	मिथु	18:23:54	गुरु 1वर्ष 1मा 22दि	
शुक्र		27:24:14	तुला	सूर्य	कर्क	23:00:13	बुध	
12/03/2010		25:02:24	वृश्चि	चंद्र	कर्क	02:22:49	01/10/2019	
12/03/2030		13:46:34	सिंह	मंगल	तुला	22:08:52	30/09/2036	
शुक्र	11/07/2013	04:03:43	वृश्चि	बुध	कर्क	05:31:03	बुध	27/02/2022
सूर्य	11/07/2014	21:05:21	धनु	गुरु	मेष	10:45:33	केतु	24/02/2023
चन्द्र	11/03/2016	24:12:52	कन्या	शुक्र व	सिंह	08:59:41	शुक्र	25/12/2025
मंगल	11/05/2017	07:09:19	मीन व	शनि	मेष	22:58:31	सूर्य	31/10/2026
राहु	11/05/2020	13:21:20	कन्या व	राहु	कर्क	19:07:05	चन्द्र	01/04/2028
गुरु	10/01/2023	13:21:20	मीन व	केतु	मक	19:07:05	मंगल	29/03/2029
शनि	12/03/2026	07:19:29	मक	हर्ष व	मक	20:52:59	राहु	16/10/2031
बुध	09/01/2029	01:33:20	मक	नेप व	मक	08:44:21	गुरु	21/01/2034
केतु	12/03/2030	08:43:17	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	13:54:45	शनि	30/09/2036

लग्न-चलित

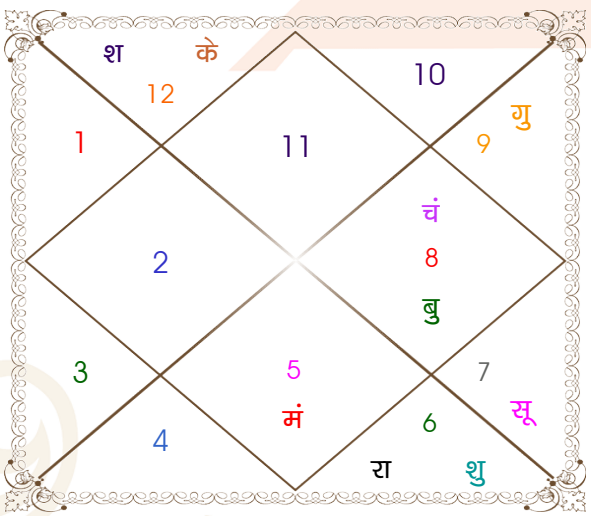

लग्न-चलित

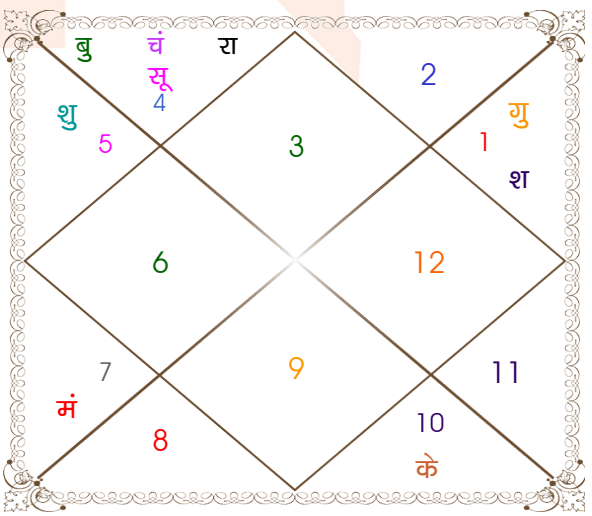

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	10.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

ीनजवी का वर्ग मृग है तथा डंदीप का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ीनजवी और डंदीप का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ीनजवी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ीनजवी कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डंदीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डंदीप कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ीनजवी तथा डंदीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।